सूर्या फाउण्डेशन
आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका - अंक 5 अक्टूबर 2020

चयनित आदर्श गाँव

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

हम होंगे कामयाब

उदाहरण पेश करता...
बाराबंकी (उ.प्र.) का गाँव-पवैयाबाद

देशभर में स्वच्छता के प्रति जागरुकता की लहर उठने लगी है। ग्रामवासियों में अपने गाँव को बेस्ट श्रेणी मे लाने की एक प्रतियोगिता सी छिड़ गयी है। ऐसा ही एक गाँव है बाराबंकी का **पवैयाबाद।** जो मॉडल गाँव से भी बढ़कर है, बहुत कुछ खास है। यह एक ऐसा गाँव है जो पूरे जिले में स्वच्छता के साथ-साथ बेहतर सुविधाओं में भी मिसाल बना है। करीब पाँच हजार आबादी वाले इस गाँव में आर.सी.सी. और इंटरलॉकिंग की सड़कें, चौराहों पर सी.सी.टी.वी. कैमरे, बच्चों को सुंदर परिवेश देने के लिए चिल्ड्रेन पार्क, युवाओं के फिटनेस के लिए ओपेन जिम और इंटरनेट के लिए वाई-फाई सुविधा उपलब्ध है। कुछ समय पहले तक यहाँ जर्जर सरकारी भवन, टूटी-फूटी सड़कें ग्राम वासियों के जीवन यापन और विकास में बाधा सबित हो रही थी, लेकिन गाँव वासियों की कोशिश से पूरा गाँव सुंदर हो गया है। यह गाँव जिले के अन्य गाँवों के लिए प्रेरणास्रोत साबित हो रहा है। खड़ंजा, भूमिगत-नालियाँ जैसी सारी सुविधाएँ गाँव में हैं। गाँव के युवाओं का कहना है कि पहले शाम होते ही गाँव में अंधेरा रहता था। मगर अब पूरा गाँव विकास के उजाले से चकाचौंध हो गया है, हमारी जिंदगी भी बदल गयी है।

स्वास्थ्य शिविर का आयोजन
नांदियाकल्ला, जोधपुर, राजस्थान

गाँव नांदियाकल्ला (राजस्थान) में सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना तथा महाराणा प्रताप यूथ क्लब के संयुक्त तत्वाधान में गाँव के लोगों के स्वास्थ्य एवं जागरूकता के लिये स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अनुभवी डॉक्टरों द्वारा जाँच के साथ-साथ इलाज करके बुखार, जुकाम, खांसी आदि की दवा वितरित की गयी। शिविर में 35 मरीजों का इलाज किया गया। ग्रामीणों के स्वास्थ्य का ध्यान रखने हेतु समाजसेवियों के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर वर्ष में एक बार लगाकर मरीजों का इलाज निःशुल्क किया जाता है।

डॉ. मोनिका माहेश्वरी जी द्वारा शुगर, रक्तचाप, तापमान की जाँच की गई। साथ ही वर्तमान समय को देखते हुए मास्क व सैनिटाइजर का उपयोग करना व कोरोना से बचने के उपाय बताये गये। जिसमें अनावश्यक घर से बाहर न निकलना, शारीरिक दूरी का ध्यान रखना, योग-प्राणायाम, स्वच्छता का विशेष ध्यान रखना, विशेष कर बच्चों और बुजुर्गों को इस समय सावधानी रखने की जरूरत है। घर मे सुबह शाम गर्म पानी पियें, मास्क का उपयोग करें, बाजार के सामान का कम उपयोग करें आदि।

अन्य कार्य

- युवाओं की कबड्डी प्रतियोगिता।
- सामूहिक भजन संध्या और ग्राम-आरती का आयोजन।
- गृह सज्जा और रंगोली प्रतियोगिता।
- बच्चों की दौड़ (1 किमी.) प्रतियोगिता।
- चित्रकला प्रतियोगिता।

ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में तत्पर

कादीपुर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

ऐसा गाँव जहाँ सरकारी योजनाओं का लाभ सभी ग्रामीणों को मिलता हो, सभी लोग प्रसन्न हो, स्वस्थ्य हों, नशामुक्त हों वह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की लोकसभा वाराणसी का कादीपुर गाँव। समाजसेवी संस्था सूर्या फाउण्डेशन पिछले पाँच वर्षो से गाँव के सर्वांगीण विकास के लिए ग्रामवासियों के सहयोग से काम कर रही है।

गाँव में संस्कार केन्द्र, यूथ क्लब व सिलाई केन्द्र नियमित चलनें वाले प्रकल्प है। साथ ही साथ स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिलाओं को अचार व जनेऊ बनाने का रोजगार देने का काम किया गया है। कोविड-19 महामारी से उत्पन्न विपरीत परिस्थिति में अनेकों युवा शहरों से वापस आए हैं, बहुत से नौजवान बेरोजगार हो गये। इसी को देखते हुए 50 युवाओं का 'मनरेगा जॉब कार्ड' बनवाया गया। इस कार्ड के माध्यम से वर्ष में कम से कम 100 दिनों का काम मिलने की अनिवार्यता है। जिससे युवा अपने गाँव में ही रहकर प्रतिदिन 200 रुपये कमा लेते हैं।

गाँव में कई परिवारों को सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन, अटल पेशन योजना सहित अनेकों सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाया गया।

इस माह भारत सेवाश्रम संघ सिगरा की ओर से चार दिव्यांगजनों (पप्पू प्रसाद जी, धर्मराज बिंद जी, राजू कुमार जी, गोपी कुमार जी) को ट्राई-साइकिल दिलाया गया है, जिससे उन्हे आने-जानें में सुविधा होगी।

ग्राम गौरव मेला के शुभ अवसर पर गाँव की माताओं-बहनों के साथ कलश यात्रा का आयोजन किया गया। डीहबाबा स्थल से गाँव के मुख्य रोड प्राथमिक विद्यालय से होते हुए चौरामाता मंदिर पर कलश स्थापित किया गया। **कलश यात्रा में गाँव की 151 माताओं-बहनों ने हिस्सा लिया। कलश पूजन के बाद सभी भक्तों को सेवाभावी के सहयोग से स्टील का गिलास दिया गया। कार्यक्रम में राम नारायण जी (जिला सेवा प्रमुख-सेवा भारती) महेन्द्र जी (जिला धर्म जागरण प्रमुख), कुलदीप जी (क्षेत्र प्रमुख-सूर्या फाउण्डेशन) उपस्थित रहे।**

अन्य कार्य

- गाँव में 111 मजदूरों का मजदूर संगठन कार्ड बनवाया। नि:शुल्क स्वास्थ्य सुविधायें, शादी-विवाह में आर्थिक सहयोग।
- प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना का लाभ 10 किसानों को दिलाया गया।
- माँ लक्ष्मी एवं ओम नम: शिवाय स्वयं सहायता समूह को 1-1 लाख रुपये का अनुदान दिलाया गया।
- 10 किसानों को चारा, चना एवं सरसों का उन्नत बीज दिलाया गया, जिससे अच्छी पैदावार मिलेगी।
- दो बहनों की शादी में कन्या विवाह योजना के माध्यम से 40 हजार रुपये की सहयोग राशि दिलायी गयी।

फिनायल बनाने का प्रशिक्षण

नगलावर, मथुरा, उत्तर प्रदेश

भारत गाँवों में बसता है, गाँव में बसने वाले लोगों को शहरों के मुकाबले प्राथमिक सुविधाएँ भी कम मिल पाती है। जैसे- स्वच्छ पानी, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि। इसकी मुख्य वजह व्यक्ति की आमदनी के स्रोत का सीमित होना है। लोग सेवा तो करना चाहते हैं लेकिन सेवा करना भी तभी संभव है जब व्यक्ति के पास सामान्य सुविधाएँ उपलब्ध हों। यदि स्वरोजगार के साथ सेवा करने का मौका मिले तो इससे अच्छा सुनहरा अवसर कभी नहीं होगा। ऐसा ही कार्य कर दिखाने का संकल्प लिया है मथुरा जिले के आदर्श गाँव नगलावर की महिलाओं ने।

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत नगलावर में महिला सशक्तीकरण और जागरूकता के लिए दो स्वयं सहायता समूह के 20 सदस्यों को फिनायल बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। गौ-मूत्र से निर्मित रसायनमुक्त फिनाइल बनाने की विधि को विस्तार से प्रयोग के साथ बताया गया।

प्रशिक्षक कृष्णगोपाल जी ने बताया कि हमें स्वदेशी वस्तुओं का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना चाहिए। यदि हम फिनायल बाजार से लाते हैं तो इसका खर्च तो लगता ही है साथ ही साथ यह रसायन युक्त होता है जिसके प्रयोग से अनेकों दुष्परिणाम हैं। यही जब हम गोमूत्र से बनाते हैं तो यह रसायन मुक्त होता है। खर्च भी कम आता है, पैसों की बचत भी हो जाती है।

अभी नगलावर गाँव के सभी पक्के घरों में गाँव में ही निर्मित फिनायल का प्रयोग किया जाता है। आगामी दिनों में योजना बनाकर आसपास के बाजारों में इसकी खपत को देखते हुए उत्पादन में बढ़ोत्तरी की जायेगी। गाँव के लोगों को गाँव में ही रोजगार मिलेगा। गाँव का पैसा गाँव में ही रहेगा, इससे प्रशिक्षित महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध होगा और आत्मनिर्भर भारत को भी बल मिलेगा। साथ ही साथ गौमाता की उपयोगिता भी बढ़ेगी, भले ही वह दूध नहीं देती हो।

अन्य कार्य

- 2 अक्टूबर 2020 को गाँधी बनो प्रतियोगिता और स्वच्छता अभियान किया गया।
- पशुपालन हेतु एक सदस्य को पशुधन बीमा योजना के तहत 20000/- का अनुदान दिलाया।
- प्रत्येक एकादशी के दिन मंदिर पर भजन-कीर्तन का कार्यक्रम किया जाता है।

संगठन में शक्ति है
नयागाँव, झज्जर, हरियाणा

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा संचालित आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत चयनित आदर्श गाँव नयागाँव, झज्जर, हरियाणा में महिलाओं के स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए ग्राम संगठन की महिलाओं के साथ संगोष्ठी का आयोजन किया गया। गाँव में 9 स्वयं सहायता समूहों की अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव तथा प्रमुख सदस्यों नें हिस्सा लिया। बैठक में समूह से जुड़ी सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गयी।

उद्यमी एप्लिकेशन/वेबसाइट (www.udyamimitra.in) की जानकारी दी गई। इसके माध्यम से सरकार की योजनाओं की जानकारी आसानी से मिल जाती है। साथ ही साथ योजना के लाभ लेने के तरीकों की जानकारी भी इस एप के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है। जिस प्रकार वर्षा का जल गिरते समय समान रहता है लेकिन गिरने के बाद जिस प्रकार से उपयोग करते हैं जल की मान्यता उसी के अनुरूप हो जाती है। उपयोग न करने की स्थिति में जल नाली-नदी आदि में चला जाता है। सरकारी योजनाएं भी वर्षा के समान हैं सरकारी योजना निकलती रहती हैं योजना का लाभ लेना या नहीं लेना यह हम पर निर्भर है।

आ. वेद जी ने अम्बेडकर जी के विचार शिक्षित बनो, संगठित बनो, संघर्ष करो को आधार मानकर कहा कि हम सब को अपने जीवन में ऐसी बैठकों और प्रशिक्षणों के माध्यम से शिक्षित बनना है, समूह को आधार केन्द्र मानकर संगठित रहना है और पूरे उत्साह से संघर्ष करना है। उन्होंनें देश में अन्यान्य राज्यों में चल रहे स्वयं सहायता समूहों के सफल उदाहरण भी बताएं। गाँव के सभी 9 समूहों को मिलाकर एक ग्राम संगठन बनाया गया है, संगठन में समूह की बहनें अपनी बात रख सकें एवं अपना रोजगार शुरु कर अपने पैरों पर खड़ी हो इस उद्देश्य से संगठन का निर्माण किया गया।

अन्य कार्य

- सिलाई केन्द्र की बहनों को सुंदरकाण्ड पुस्तक प्रदान की गई।
- स्कूल में उपयोग हेतु सूर्या फाउण्डेशन द्वारा कम्प्यूटर दिया गया।
- मंदिर परिसर में बड़ा कूड़ादान लगाया गया और परिवारों में उपयोग हेतु 150 कूड़ादान वितरण किया गया।

कलश यात्रा के साथ ग्राम आरती : वार्षिकोत्सव

बसई, काशीपुर, उत्तराखण्ड

आदर्श गाँव बसई का मजरा, काशीपुर, उत्तराखण्ड में सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत ग्राम गौरव मेला के प्रथम दिन प्रत्येक वर्ष की भांति गाँव के वार्षिक उत्सव के रूप में कलश यात्रा और ग्राम आरती का आयोजन किया गया। गाँव के माँ चामुंडा मंदिर से बसई चौक शिव मंदिर तक 201 माताओं-बहनों द्वारा कलश यात्रा निकाली गई। नवरात्रि के वार्षिक उत्सव में गाँव के कल्याण हेतु प्रत्येक वर्ष ग्राम-आरती का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में श्री संजीव कुमार जी (GM-Surya Plant) ने कहा गाँव में हर वर्ष उत्सव मनाने का यह कार्य सराहनीय है।

पुजारी जी ने कलश यात्रा का महत्व बताते हुए कहा कि धार्मिक कार्यों में कलश का बड़ा महत्व है। मांगलिक कार्य, व्यापार, नववर्ष, गृह प्रवेश, दिवाली पूजन, यज्ञ, अनुष्ठान, दुर्गा पूजा आदि के अवसर पर सबसे पहले कलश स्थापना की जाती है। शास्त्रों के अनुसार कलश को सुख-समृद्धि, वैभव और मंगल कामनाओं का प्रतीक माना गया है। कलश के मुख में विष्णुजी का निवास, कण्ठ में रुद्र तथा मूल में ब्रह्मा जी और मध्य में दैवीय मातृशक्तियाँ निवास करती हैं।

कार्यक्रम के अवसर पर रणधीर सिंह सैनी, हरीश कुमार, समाज सेवी योगराज जी, मनोज कुमार सैनी जी, श्री गौरव जी, राजेन्द्र जी सहित गाँव के 251 लोग उपस्थित रहे। कलश सज्जा में प्रथम स्थान श्रीमती आशा सैनी, द्वितीय स्थान श्रीमती पिंकी, तृतीय स्थान श्रीमती याचना देवी एवं मटकी दौड़ मैं प्रथम स्थान ज्योति कुमारी, द्वितीय स्थान श्रीमती राज बालाजी, तृतीय स्थान श्रीमती मीना जी ने प्राप्त किया। सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

अन्य कार्य

- 2 अक्टूबर को गांधी बनो प्रतियोगिता व गाँधी यात्रा निकाली गई।
- मंदिर परिसरों में साफ सफाई एवं दीवारों में 10 स्लोगन लिखे गए।
- स्वयं सहायता समूह के 8 सदस्यों को पॉलीहाउस बनवाने हेतु रजिस्ट्रेशन करवाया गया।
- महिला शक्ति संगठन की मीटिंग कर बैंक खाता खुलवाया गया।

एक कदम स्वच्छता की ओर...

फफूँडा, मेरठ, उत्तर प्रदेश

महात्मा गाँधी जी ने अपने आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने सम्बंधी शिक्षा प्रदान कर राष्ट्र को एक उत्कृष्ट संदेश दिया था। उन्होंने स्वच्छ भारत का सपना देखा था जिसके लिए वह चाहते थे कि भारत के सभी नागरिक एक साथ मिलकर देश को स्वच्छ बनाने के लिए कार्य करें। महात्मा गांधी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2 अक्टूबर 2014 को स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया और इसके सफल कार्यान्वयन हेतु भारत के सभी नागरिकों से इस अभियान से जुड़ने की अपील की।

इस अभियान का उद्देश्य अगले पाँच वर्ष में स्वच्छ भारत का लक्ष्य प्राप्त करना है ताकि बापू के स्वच्छ भारत के सपने को साकार किया जा सके। गाँव के युवाओं ने स्वच्छ भारत के तहत प्रतिवर्ष 100 घंटे के श्रमदान के लिए लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। महात्मा गाँधी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपने को साकार करने की दिशा में सूर्या फाउण्डेशन पिछले कई वर्षों से स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरुक कर रहा है। इसी के अंतर्गत मेरठ क्षेत्र के आदर्श गाँव फफूँडा में संस्कार केन्द्र के भैया बहनों, यूथ क्लब के भैयाओं एवं स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की मदद से सामूहिक श्रमदान स्वच्छता जागरूकता रैली आदि कार्यक्रम समय-समय पर करता रहा है।

गाँव में साफ-सफाई रहे। गली मोहल्ले साफ-सुथरे रहे एवं गाँव के लोगों में कूड़ेदान प्रयोग करने की आदत बने इसके लिए सूर्या फाउण्डेशन एवं गाँव के सेवाभाविओं के सहयोग से सार्वजनिक स्थानों पर 10 बड़े डस्टबिन लगाए गए हैं। आस पास घर के लोग इसी कूड़ेदान में कूड़ा डाल रहे हैं। जिससे गली मोहल्ले को साफ रखने में मदद मिल रही है।

अन्य कार्य

- संस्कार केन्द्र पर चित्रकला, गांधी बनो, भाषण प्रतियोगिता कराया गया।
- सिलाई केन्द्र व समूह की बहनों की रंगोली प्रतियोगिता और भजन संध्या कार्यक्रम किया गया।
- पाँच सुकन्या समृद्धि खाते खुलवाए गए।
- खण्ड स्तरीय जैविक किसान गोष्ठी का आयोजन हुआ
  चार लोगों के आय प्रमाण पत्र तथा एक वृद्धा पेंशन का लाभ दिलाया गया।

प्रत्येक परिवार में अग्निहोत्र का संकल्प

पेण्ड्री, राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़

सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयनित आदर्श गाँव पेण्ड्री, राजनांदगाँव, छत्तीसगढ़ में संस्था द्वारा शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कार, समरसता और स्वाबलंबन के लिए कार्य किए जा रहे हैं। गाँव में स्वास्थ्य और संस्कार को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक परिवार में अग्निहोत्र कराने का संकल्प लिया गया है। गाँव के सभी 225 परिवारों में नियमित अग्निहोत्र हो इसके लिए पूरी टीम परिवारों में पहुँच कर अग्निहोत्र कराती है। साथ ही अग्निहोत्र से होने वाले लाभों की जानकारी भी परिवार वालों को दी जाती है। **अभी तक गाँव के 80 परिवारों में अग्निहोत्र की शुरूआत की जा चुकी है।**

अग्निहोत्र हमारे जीवन में बहुत लाभकारी है यह केवल एक धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं अपितु स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण है इसका सीधा सम्बंध वायुमण्डल से रहता है। सूर्योदय और सूर्यास्त के समय किया जाने वाला अग्निहोत्र मनुष्य जीवन के लिए कल्याण कारी है। मिट्टी या तांबे के निश्चित आकार के पात्र में सूर्योदय और सूर्यास्त के समय अग्निहोत्र किया जाता है। अग्निहोत्र करते समय दो छोटे और आसान मंत्रों का उच्चारण किया जाता है। सनातन काल से भारत में यज्ञ की परंपरा रही है। कई सालों तक लोग इसे मात्र एक कर्मकांड मानते रहे हैं, लेकिन आधुनिक रिसर्च और अध्ययन से पता चला है कि अग्निहोत्र मानव स्वास्थ्य के साथ वायु, धरती और जल में रहने वाले विषाणुओं को नष्ट कर Positive Energy लाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सूर्या फाउण्डेशन की पूरी टीम इस महत्वपूर्ण कार्य को कर रही है।

सामग्री - अग्निहोत्र पात्र, गाय के गोबर से बने उपले, गाय का घी और चावल।

सूर्योदय के समय उच्चारणीय मंत्र

सूर्याय स्वाहा, सूर्याय इदम् न मम।
प्रजापतये स्वाहा, प्रजापतये इदम् न मम।।

सूर्यास्त के समय उच्चारणीय मंत्र

अग्नये स्वाहा, अग्नये इदम् न मम।
प्रजापतये स्वाहा, प्रजापतये इदम् न मम।।

अन्य कार्य

- 10 परिवारों में First Aid (मेडिसिन किट) बॉक्स दिया गया।
- माह के चारों रविवार को स्वच्छता अभियान चलाया गया।
- सिलाई केन्द्र की बहनों द्वारा 200 मास्क बनाकर नि:शुल्क वितरित किया गया।
- महिला स्वच्छता टीम का गठन किया गया।

डिजिटल जागरुकता कार्यक्रम

मूण्डला, सीहोर, मध्य प्रदेश

डिजिटल इंडिया प्रोग्राम का उद्घाटन करते हुए मा. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने का था, डिजिटल कामों में जिन्हें कठिनाई होती है, जानकर उनको विषय की अच्छे से जानकारी देकर समस्या को दूर कर सभी को डिजिटल कामों के प्रति उत्साहित करें।

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत आदर्श गाँव मूण्डला जिला सीहोर मध्य प्रदेश में डिजिटल इंडिया के तहत डिजिटल जागरूकता कार्यक्रम किया गया। जिसमें गाँव के लोगों को बैंक कार्य से संबन्धित जानकारी दी गई। जिसमें ATM कार्ड के प्रयोग, ATM पिन बनाना या बदलना, स्मार्ट फोन से नेट बैंकिंग और ऑनलाइन बैंकिंग के बारे में, स्वाइप कार्ड मशीन का प्रयोग व बैंकिंग कार्यो के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में गाँव के 50 लोगों ने हिस्सा लिया। लोगों को होने वाली बैंकिंग व डिजिटल समस्याओं को लेकर प्रश्नोत्तरी की गई। जिसमें बैंक से आए श्री राजीव सिंह (सहायक खजांची) ने बताया कि डिजिटल बैंकिंग के प्रयोग से समय के साथ पैसे की भी बचत होती है। गाँव में रहकर ही आप कृषि व व्यवसाय के कार्य के लिये डिजिटल बैंकिंग का प्रयोग कर सकते हैं। डिजिटल इंडिया के माध्यम से आप व आपका पैसा भी सुरक्षित रहता है। साथ ही डिजिटल कार्य जितना सरल है, उतना ही इसमें सावधानी रखनी पड़ती है। आपके द्वारा बनाया गया किसी भी प्रकार का पिन किसी दूसरे व्यक्ति के साथ साझा नहीं करना चाहिए, खाते से संबंधित जानकारी किसी को नही बताना चाहिये, स्वयं का काम स्वयं से करना चाहिए।

अन्य कार्य

- गाँव में सार्वजनिक रूप से राष्ट्रगान का शुभारंभ किया गया।
- संस्कार केन्द्र के बच्चों द्वारा चित्रकला व रंगोली प्रतियोगिता कराई गई।
- 02 अक्टूबर को स्वच्छता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

पशु चिकित्सा शिविर
सलोई, विदिशा, मध्य प्रदेश

आदर्श गाँव सलोई, जिला-विदिशा, मध्य प्रदेश में गौ-पालन के लिए लोगों को जागरूक करने हेतु समय-समय पर पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता है।

इसी क्रम में अक्टूबर माह में गाँव के पशुओं के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पशुओं का टीकाकरण किया गया। पशु टीकाकरण में गाँव के 60 परिवारों के 104 पशुओं का टीकाकरण किया गया। जिसमें गाय-80, भैंस-34 शिविर में पशु बांझपन, कृत्रिम गर्भाधान, थनैला रोग, गला घोटू, खुरहा मुंहपका, जहरबाद, अफरा, दस्त, मरोड़, निमोनिया जैसी बीमारियों का टीका लगाया गया। साथ ही साथ इन बीमारियों के बचाव के लिए सावधानियाँ बताई गयी।

डॉ. अनिल सिंह नें पशुपालकों की समस्याओं का समाधान करते हुए विभाग द्वारा चल रही जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। वर्तमान समय में चल रही 'प्रधानमंत्री पशुपालन क्रेडिट कार्ड' योजना की जानकारी भी दी। साथ ही साथ चार पशुपालकों के आवेदन करके लाभ भी दिलाया गया।

पशु चिकित्सा विभाग द्वारा पशुओं को टैग लगाकर उनके आधार कार्ड भी बनाये गये। पशु चिकित्सा शिविर के माध्यम से लोगों मे पशुओं के प्रति जागरूकता आ रही है जिससे गाँव में गायों की संख्या में बढ़ोत्तरी हुई है।

अन्य कार्य

- ग्राम गौरव मेला के तहत चित्रकला व रंगोली प्रतियोगिता कराई गयी।
- प्रत्येक शनिवार को गाँव में स्वच्छता अभियान का आरंभ किया गया।
- किसान गोष्ठी में 45 किसानों को जैविक कृषि के बारे में बताया गया।
- भजन मंडली द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- गाँव के मंदिर से राष्ट्रगान का शुभारंभ किया गया।

जन सहयोग से शिव मंदिर जीर्णोद्धार

लोनाँव, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के गोरखपुर क्षेत्र में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयनित आदर्श गाँव लोनाँव में एक प्राचीन शिव स्थान है। जिसकी स्थिति बहुत दिनों से जर्जर अवस्था में थी, पिछले वर्ष सेवाभावी अनिल राय जी के सहयोग से रंगाई-पुताई का काम कराया गया था। किंतु इस वर्ष सूर्या फाउण्डेशन से प्रेरित होकर गाँव के सेवाभावी कार्यकताओं के सहयोग से इसके जीर्णोद्धार का संकल्प लिया गया। चबूतरे को नया किया जाए, ये प्रस्ताव आया। इसी प्रेरणा से पुरुषोत्तम मास में मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया यह मास विभिन्न प्रकार से महत्वपूर्ण होता है।

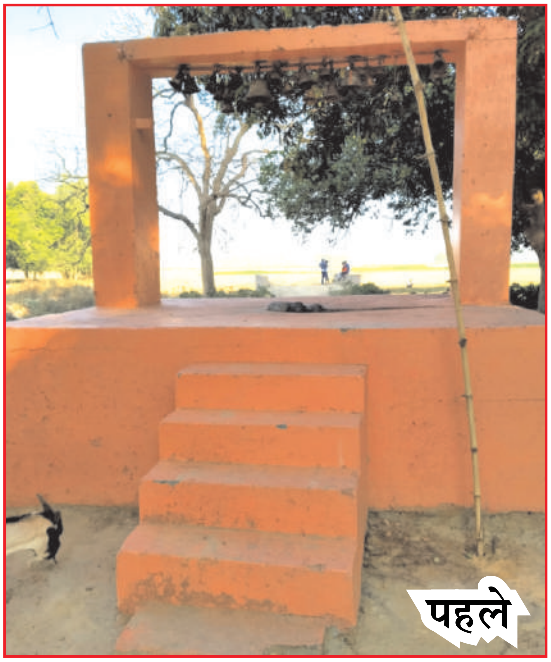

भगवान शिव के आशीर्वाद से और सेवाभावियों के दृढ़ संकल्प व इच्छा शक्ति से यह काम पूर्ण किया गया है। इस पुनीत कार्य में सेवाभावियों ने आगे बढ़कर यथासंभव योगदान दिया तथा सेवाभावी मुनेन्द्र राय जी ने अपना कार्य समझते हुए मंदिर के कार्य को पूर्ण कराया। भगवान शिव मंदिर के चबूतरे को टाइल्स लगाकर सुंदर बनाया गया है।

इस कार्य से गाँव के मंदिर में सुन्दरीकरण के साथ-साथ यहाँ लोगों का आना बढ़ गया है। पिछले माह रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर वट वृक्ष अभियान के अंतर्गत इस परिसर में दो वट वृक्ष लगाये गये, जो कि आने वाले समय में भक्तों को छाया प्रदान करेंगे। समय-समय पर मंदिर से जुड़े तालाब की सफाई श्रमदान के माध्यम से की जाती है। इससे मंदिर की सुंदरता और भी बढ़ जाती है।

अन्य कार्य

- 115 पशुओं का टीकाकरण किया गया।
- शौचालय व पंचायत भवन निर्माण कार्य शुरू किया।
- गाँव के 90 लोगों का नाम निर्वाचन सूची में जोड़ा गया।
- सेवाभावी रामजीत राय को कैंसर के इलाज हेतु 45 हजार रुपये CM Fund से दिलाया।

समाचार पत्रों में किए गये कार्यों की सुर्खियाँ

बसई का मजरा में निकली भव्य कलश यात्रा

अर्जुन भूमि समाचार

• कलश सज्जा मटकी दौड़, रूप सज्जा आदि प्रतियोगिताएं सम्पन्न

काशीपुर। आदर्श गांव बसई का मजरा में सूर्या फाउंडेशन आदर्श गांव योजना के तहत ग्राम गौरव मेला नवदुर्गा के प्रथम दिन के अवसर पर वार्षिक उत्सव के रूप में कलश यात्रा का आयोजन किया गया।

इस दौरान मुख्य अतिथि के रुप में सूर्या रोशनी लिमिटेड एचआर महाप्रबंधक संजीव कुमार परिवार सहित और सूर्या फाउंडेशन क्षेत्र प्रमुख नीतीश कुमार मौजूद रहे।

इस दौरान कलश सज्जा, मटकी दौड़, रूप सज्जा एवं विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संजीव कुमार ने कहा कि आदर्श गांव में वार्षिक उत्सव

निरंतर विगत वर्षों से आदर्श गांव योजना के तहत देश भर में 18 राज्यों के 362 गांव में ग्राम गौरव मेला के तहत विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष देश भर के 362 गांव में 17 से 25 अक्टूबर तक प्रत्येक दिन कार्यक्रम अलग–अलग गांव में कराए जाएंगे, प्रत्येक गांव में सूर्या संस्कार केंद्र एवं यूथ क्लब केंद्र के शिक्षक सेवाभावी समिति सदस्य एवं भैया बहनों के द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन किया

दुर्गा पाठ, मात्र पित्र गांव के बुजुर्गों का सम्मान कन्या पूजन जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजन किए जा रहे। कलश सज्जा में प्रथम स्थान आशा सैनी, द्वितीय स्थान पिंकी, तृतीय स्थानयाचना देवी, एवं मटकी दौड़ मैं प्रथम स्थान ज्योति कुमारी, द्वितीय स्थान राज बालाजी, तृतीय स्थान मीना ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के अवसर पर संस्कार केंद्र शिक्षक रणधीर सिंह सैनी, समाज सेवी योगराज, यूथ क्लब केंद्र के शिक्षक हरीश कुमार,

नगला वर में महिलाओं को दिया गया फिनायल बनाने का प्रशिक्षण

फरह (श्रीजी एक्सप्रेस ब्यूरो)। सूर्या फाउंडेशन द्वारा आदर्श गांव योजना के अंतर्गत गांव नगला वर में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन सम्बंधी कार्यक्रम आयोजित कर ग्रामीणों को जागरुक किया। गांव की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को फिनायल बनाने का एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में दो समूहों की कुल 20 महिलाओं ने भाग लिया। रसायन मुक्त और गौ-अर्क से निर्मित फिनाइल बनाने की विधि के बारे में महिलाओं को बताया गया। ताकि वे इस विधि का प्रयोग कर आजिविकोपर्जन कर सकें। फिनायल का नाम सर्व सहमति से गोनाइल रखा गया। प्रशिक्षक- कृष्ण गोपाल ने बताया कि हमें स्वदेशी वस्तुओं का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करना चाहिए। फिनायल बाजार से लाते हैं तो इसका खर्च ज्यादा आता है। यह केमिकल्स युक्त भी होता है,जोकि हमारे लिये हानिकारक होता है। स्वदेशी तकनीकी से घर पर बना फिनायल

पहला सुख निरोगी काया : डॉ माहेश्वरी

नांदिया कलां में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

नवज्योति/सोयला।

सूर्या फाउंडेशन तथा नई रोशनी ऑफ इंडिया फाउंडेशन महाराणा प्रताप यूथ के तत्वावधान में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के उद्घाटन डॉ. मोनिका महेश्वरी सचिव एनआरआई फाउंडेशन तथा जसवंत सिंह भाटी सरपंच नांदिया कला ने किया। इस अवसर पर डॉ. मोनिका महेश्वरी ने कहा कि आज जिस प्रकार कोरॉना महामारी संपूर्ण विश्व में चिंता का विषय बनी है इसका समाधान जागरूकता तथा मनुष्य की इम्युनिटी पावर है। शिविर में 35 रोगियों की जांच की गए तथा उनका उचित सलाह दी गई। जसवंत सिंह भाटी ने कहा कि सूर्या फाउंडेशन तथा महाराणा प्रताप यूथ क्लब मिलकर जो समाज सेवा का कार्य कर रहे हैं यह अनुकरणीय है। इस कार्यक्रम में दलपत सिंह भाटी, कन्हैया लाल सोनी, गौरी शंकर लोहिया, लीलादेवी सोनी, मोहन सिंह, प्रवीण राव, श्याम सैन व नाथुनाथ केंद्रपाल सहित अनेक बंधुओं की सहभागिता रही।

सूर्या फाउंडेशन ने नया गांव में दिया महिला स्वावलंबन का संदेश

प्रदीप वर्मा, बहादुरगढ़। सूर्या फाउंडेशन द्वारा संचालित आदर्श गांव योजना के अंतर्गत चयनित आदर्श गांव नयागांव के अम्बेडकर भवन में महिला सशक्तीकरण और स्वावलंबन को दिशा देने के लिए संगोष्ठी का अयोजन किया गया। स्वरोजगार का माध्यम बनाने के लिए गांव में 13 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है। सभी समूहों की अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव और चयनित सदस्यों ने बैठक में हिस्सा लिया, बैठक में समूह से जुड़ी सरकारी योजनाओं पर रवि गुप्ता जी ने विस्तार से बताया, डिजिटल रूप में आए - उद्योग एप्लीकेशन के विषय में जानकारी दी साथ ही साथ कई माताओं बहनों ने इस एप्लिकेशन को इंस्टाल कर उसमे रजिस्ट्रेशन भी किया। इस एप्लिकेशन के माध्यम से उन्हें स्वयं सहायता समूह से जुड़ी सरकार की योजनाओं और लाभ लेने की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी मिलती रहेगी। उदाहरण देते हुए रवि गुप्ता जी ने बताया जिस प्रकार वर्षा का जल गिरते समय एक समान रहता है लेकिन गिरने के पश्चात उसका जिस प्रकार से उपयोग करना चाहे उसे उपयोग कर सकते हैं लेकिन उपयोग न करने की स्थिति में जल नाली नदी आदि में चला जाता है, उसी प्रकार सरकारी योजनाएं भी वर्षा के समान है सरकार योजनाएं निकालती रहती है। योजना का लाभ लेना है या नहीं, यह हमें तय करना है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आ. वेद जी ने अम्बेडकर जी के तीन वाक्यों शिक्षित बनों, संगठित बनो, संघर्ष करोको दोहराते हुए बताया कि हम सबको अपने जीवन में ऐसी बैठकों और प्रशिक्षणों के माध्यम से शिक्षित बनना है, समूह को आधारकेन्द्र मानकर संगठित रहते हुए पूरे उत्साह और ऊर्जा के साथ संघर्ष भी करना है। गांव के सभी समूहों को मिलकर एक ग्राम संगठन की इकाई का गठन महिलाओं में सबके सामने अपनी बात रखने का अच्छा माध्यम बन गया है। बैठक से पूर्व गांव के सीनियर सेकेंडरी माध्यमिक विद्यालय में सूर्या फाउंडेशन की ओर से विद्यालय के उपयोग हेतु कंप्यूटर भेंट किया गया, जिससे विद्यालय में बच्चों को कंप्यूटर शिक्षा दी सके। साथ ही साथ सूर्या फाउंडेशन द्वारा चलाई जा रही सूर्या भारती पुस्तक की जानकारी अध्यापक बंधुओं से साझा लिया, आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से सूर्या फाउंडेशन के वाइस चेयमैन आ.वेद जी, मुकेश जी, आदर्श ग्राम योजना प्रमुख प्रमोद जी, जोन प्रमुख कामेश्वर जी, भरतराज जी, सूर्या रोशनी लिमिटेड के सीसीओ संजय यादव जी, प्रांत प्रमुख भंवर सिंह जी, शत्रुहन जी, 10 आदर्श गांव इंचार्ज विकास विश्वकर्मा जी, सेवा कार्यकर्ता अरुण कुमार के साथ गांव के शिक्षक रेखा जी, जतिन और गौरव, रवीना, हिमांशु, धरमवीर, विनोद और निखिल उपस्थिति रहें। गांव के सरपंच पति श्री जगवीर सैनी विद्यालय के प्रधानाचार्य अनिल जी के साथ विद्यालय स्टाफ के सभी सदस्य उपस्थित